ठूंठ में तब्दील हो गया कैमोर का जंगल

संजय नेशनल पार्क अभ्यारण बगदरा का अस्तित्व खतरे में, जिम्मेदार अवैध कार्यों में संलिप्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली,21 अप्रैल। चितरंगी के अभ्यारण बगदरा कैमोर पहाड़ जंगल ठूठ में तब्दील हो चुका है। पहाड़ में पत्थर के सिवा अब पेड़-पौधे कहीं नजर नही आ रहा है। जंगल की अवैध कटाई से जंगली जानवर का कोई रता-पता नहीं है, जबकि कभी वह दौर था कि अभ्यारण बगदरा संजय नेशनल पार्क काला मृगो के नाम से मशहूर था। अब कहीं इक्का-दुक्का नजर आते हैं। अब तो मुश्किल से तलाशने के बाद ही दिखाई देते हैं, जबकि काला में मृगो के पालने के नाम पर गड़बड़ झाला हुआ है और हो भी रहा है।

कागजी आंकड़ों में संजय नेशनल पार्क अभ्यारण बगदरा के अधिकारी पर्याप्त

जानवरों की संख्या बता रहे हैं, लेकिन धरातल में सब गड़बड़ झाला है, इसका मुख्य कारण जंगल की कटाई पूरी तरह से हो चुकी है। पहाड़ों की रखवाली के लिए यहां लाखों रूपये बीट गार्ड, रेंजर, डिप्टी रेंजर को वेतन के रूप में दे रहे, लेकिन यह सब बेकार जा रहा है, बल्कि किसी के आड़ में अभ्यारण सोन घड़ियाल का अमला सोन नदी से बालू चोरी करने में संलिप्त है, यह बात किसी से छुपी हुई नहीं है, परिक्षेत्र अधिकारी से लेकर बीट गार्ड का पूरा ध्यान बालू चुराने में ही लगा है, बगदरा समेत कई गांव में रेत का व्यापक भंडारण है, फिर भी इन अभ्यारण के अमले की नजर नहीं पड़ती है। पहाड़ के जंगल के पेड़ों का ठूठ हो जाने से अभ्यारण के अधिकारी जहां सवालों के घेरे में हैं, वहीं यहां बताते चले की बगदरा अभ्यारण का कैमोर पहाड़ एक जमाने में बांस के लिए प्रसिद्ध था और यहां का बांस पेपर मिलो में सप्लाई किया जा रहा था, लेकिन यह हाल आज की नहीं, बल्कि तीन दशक के पूर्व कथा सबसे ज्यादा बहुत आयत मात्रा में ओरिएंटल पेपर के लिए यहां बकरा का काफी चर्चित था और उसमें क्वालिटी थी लेकिन भारत अधिकारियों की लापरवाही के चलते पूरा जंगल साफ हो चुका है। इधर जंगल की कटाई अभी से नहीं बल्कि दशकों से की जा रही है दो दशक पहले बनकर्मी पेड़ पौधों की कटाई करने वालों के विरुद्ध गश्त के दौरान कार्रवाई भी करते थे, लेकिन अब यह कार्रवाई

जंगल की रखवाली करने वन विभाग की नहीं है कोई दिलचस्पी

संजय नेशनल उद्यान पार्क बगदरा अभ्यारण का जंगल अपने अंतिम सांसें गिन रहा है। आलम यह है कि रोजाना ग्राम खैरा, गांगी, चिकनी, धरौली, बीछी, हरमा के ग्रामीण महिलाएं-पुरुष जंगल से लकड़ी काटकर पेड़ पौधों को नष्ट कर दे रहे हैं। वहीं चर्चाएं हैं की दिनमान एक बार भी वनकर्मी जंगल के रखवाली करते दिखाई नहीं देते, बल्कि शाम ढलते ही जब रेत निकालने का समय होता है, उसी समय वन अमला जरूर भाग-दौड़ करता है और उन्हीं से साठगांठ कर अतिरिक्त कमाई करने में जुटा हुआ है। यहां के ग्रामीण ही बताते हैं कि हम लोग रोजाना लकड़ी लेने जाते हैं, जंगल कैमोर पहाड़ में कई महीनो से वनकर्मी एक भी दिखाई नहीं दिए हैं, अब सवाल उठ रहा है कि आखिरकार वनकर्मी बगदरा के किस बात के लिए वेतन ले रहे हैं। अब ग्रामीण कहने लगे हैं कि वन कर्मियों को घर बैठे-बैठे वेतन मिल रहा है, ऐसे में उनकी सेवाएं अन्य जगह करें या फिर वन की अच्छी तरह से रखवाली करायें।

गैस संकट से जूझ रहे होटल-ढाबा संचालक, कारोबार पर पड़ा असर

लकड़ी-कोयले के उपयोग से बढ़ा प्रदूषण, समाधान की मांग तेज

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 अप्रैल। जिले के देवसर क्षेत्र में इन दिनों होटल और ढाबा संचालकों के सामने ईंधन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पहले जहां कई संचालक घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों के जरिए अपने व्यवसाय का संचालन कर रहे थे, वहीं अब प्रशासनिक सख्ती और गैस आपूर्ति में कमी के चलते हालात पूरी तरह बदल गए हैं।

पूर्व में कई बार ऐसे मामले सामने आए थे, जिनमें घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को लेकर वीडियो और शिकायतें वायरल हुई थीं। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया, जिसका

असर अब जमीनी स्तर पर साफ दिखाई दे रहा है। वर्तमान में छोटे ढाबों से लेकर बड़े होटल संचालक तक गैस सिलेंडर की कमी से जूझ रहे हैं। मजबूरी में उन्हें अब पारंपरिक ईंधनों जैसे लकड़ी, उपले और कोयले का सहारा लेकर भोजन तैयार करना पड़ रहा है। इससे न केवल कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है, बल्कि धुएं के कारण पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्थानीय संचालकों का कहना है कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं हो रही है और कीमतों में लगातार वृद्धि भी एक बड़ी समस्या बन गई है। ऐसे में व्यवसाय चलाना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि होटल-ढाबा संचालकों के लिए कॉमर्शियल एलपीजी की सुचारू और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि वे नियमों के तहत अपना व्यवसाय संचालित कर सकें और क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण पर भी नियंत्रण पाया जा सके।

एक नजर में

एसपी कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित

सिंगरौली। एसपी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान एसपी ने प्रत्येक फरियादी से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ गंभीरता से सुनीं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया और शेष आवेदनों पर त्वरित एवं वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक निर्देशित किया। जनसुनवाई में थाना प्रभारी विंध्यनगर अर्चना दिवेदी, महिला थाना प्रभारी आराधना सिंह परिहार, चौकी प्रभारी खुटार शीतला यादव, उप निरीक्षक स्वतंत्र रावत सहित एसपी कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 260 आमजन की समस्याएं

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 260 नागरिकों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों के आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में आवेदक की समस्या को विस्तार से सुना और मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कई गंभीर प्रकरणों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

फुलकेश में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन, भक्ति में डूबा माहौल

द्वितीय दिवस पर कुंती चरित्र ने दिया अटूट श्रद्धा का संदेश

नवभारत न्यूज

चितरंगी 21 अप्रैल। चतरंगी ब्लॉक के ग्राम फुलकेश में भाजपा के वरिष्ठ नेता गुरु शीतलाधर द्विवेदी के निज निवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के द्वितीय दिवस पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कथा के यजमान गुरु सुखेंद्र धर द्विवेदी अपनी पत्नी माया द्विवेदी के साथ विधिवत रूप से कथा का श्रवण करते हुए उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कथा व्यास परम पूज्य अरुण कृष्ण शास्त्री जी महाराज एवं आचार्य लड्डू कृष्ण शास्त्री जी ने कुंती चरित्र, पितामह भीष्म की मंगलमयी कथा तथा राजा परीक्षित को प्राप्त श्राप का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि माता कुंती ने जीवनभर विपत्तियों को भी ईश्वर की कृपा मानते हुए भगवान श्रीकृष्ण का निरंतर स्मरण किया, जो सच्ची भक्ति का सर्वोत्तम उदाहरण है। कथा के दौरान पितामह भीष्म के त्याग, धर्मनिष्ठा और आदर्श जीवन का उल्लेख करते हुए बताया गया कि उन्होंने जीवन के अंतिम क्षणों में भी श्रीकृष्ण का ध्यान करते हुए मानव समाज को धर्म का संदेश दिया। इसके साथ ही राजा परीक्षित को मिले श्राप का प्रसंग सुनाया गया, यही प्रसंग आगे चलकर भागवत कथा श्रवण का कारण बना और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। इस दौरान गुरु मनोकामनाधार द्विवेदी, श्रीनाथ धर द्विवेदी, प्रकाश धर द्विवेदी, देव प्रताप धर द्विवेदी, अनिल धर द्विवेदी, देवेंद्र धर द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और सभी ने भाव-विभोर होकर कथा का रसपान किया।

जल जीवन मिशन की टंकी बनी लीकेज मॉडल, गुणवत्ता पर गंभीर सवाल

शिवपुरवा में शुद्ध पानी के लिए तरसे ग्रामीण, जिम्मेदारों पर आरोप, कमीशनखोरी की भेंट चढ़ी योजना, जांच और कार्रवाई की उठी मांग

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 अप्रैल। जिले के चितरंगी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवपुरवा में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी की टंकी अब सवालों के घेरे में है। निर्माण के कुछ ही समय बाद टंकी में लीकेज की समस्या सामने आने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि जिस योजना से शुद्ध पेयजल मिलने की उम्मीद थी, वही अब भ्रष्टाचार और लापरवाही की मिसाल बनती दिख रही है।

ग्रामीणों के अनुसार टंकी से लगातार पानी टपक रहा है, जिससे न तो पानी का सही भंडारण हो पा रहा है और न ही गांव तक नियमित सप्लाई। इसका सीधा असर लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया और घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यह स्थिति साफ तौर पर कमीशनखोरी की ओर इशारा करती है। उनका कहना है कि जब टंकी अभी से लीकेज कर

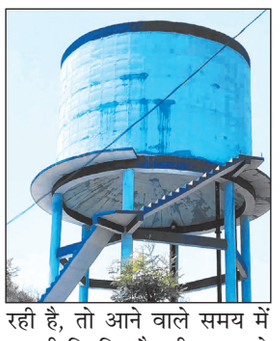

रही है, तो आने वाले समय में उसकी स्थिति और भी खराब हो सकती है। ऐसे में हर घर नल से जल जैसी महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य अधूरा रह सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि टंकी का पुनः गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए, दोषी ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई हो और उसका भुगतान तत्काल रोका जाए। साथ ही जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की अपील की गई है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या ग्रामीणों को समय रहते शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो पाता है या नहीं।

जल मिशन के अधिकारियों पर खड़ा हो रहा सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जल मिशन के प्रबंधक और जिम्मेदार अधिकारी सही तरीके से मॉनिटरिंग नहीं कर रहे हैं। निर्माण कार्यों की नियमित जांच नहीं होने के कारण ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याएं न आएं। फिलहाल, शिवपुरवा की यह घटना जिले में चल रहे कार्यों की हकीकत बयां कर रही है।

एनटीपीसी सिंगरौली में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह आयोजित

नवभारत न्यूज

शक्तिनगर 21 अप्रैल। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन शाखा द्वारा एनटीपीसी सिंगरौली में सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा जागरूक समाज आग की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास विषय पर राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

सप्ताह भर आयोजित इस व्यापक जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण सत्र, अग्नि सुरक्षा प्रदर्शन, मॉक ड्रिल, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ

एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में एनटीपीसी सिंगरौली के प्रशासनिक भवन में व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित प्रतिक्रिया एवं सुरक्षा उपायों के प्रति प्रशिक्षित एवं जागरूक किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीएच किशोर कुमार महाप्रबंधक एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रज्ञा नायक अध्यक्षा मौजूद रहे।

सरई में श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्ण हुआ समापन

नवभारत न्यूज

सरई 21 अप्रैल। जिले के नगर परिषद सरई अंतर्गत थाना रोड स्थित वार्ड क्रमांक 4 में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का समापन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सप्ताहभर चले इस आध्यात्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से आलोकित कर दिया। कथा के अंतिम दिवस वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विधिवत हवन-पूजन संपन्न कराया गया, जिसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

इण्डियन रेडक्रॉस ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त किया संग्रहित

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज बैढ़न में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 अप्रैल। जिला मुख्यालय बैढ़न स्थित पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं लायंस क्लब विद्युत विहार के संयुक्त तत्वाधान में रेडक्रॉस ब्लड सेंटर सिंगरौली की टीम द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान कुल 25 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.

एमयू सिद्दीकी, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के चेयरमैन एसडी सिंह, ब्लड सेंटर मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी, अतिरिक्त संचालक डॉ. एनके जैन, रेडक्रॉस प्रबंध समिति सदस्य एसपी सिंह सहित लायंस क्लब-विद्युत विहार के अध्यक्ष लायन सुभाष चंद्र बैस, रीजन चेयरपर्सन लायन अमित राज, सचिव लायन अशोक उपाध्याय, सर्विस चेयरपर्सन लायन नटवर दास अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष ओपी बंसल तथा अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। उक्तस्वैच्छिक रक्तदान शिविर में ओम प्रकाश बंसल, अंजली सिंह, मो. अकरम अंसारी, रोहित कुमार, धर्मराज जायसवाल, क्षितिज तिवारी, राज साकेत, सिद्धार्थ मिश्रा, शुभम पांडेय, प्रतीक सिंह, एसपी सिंह, सलिल अग्रवाल, पूनम बैस, अशोक उपाध्याय, अभिषेक कुमार, सनी कुमार पटेल सहित अन्य कुल 25 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया।

एनटीपीसी विंध्याचल में फायर सर्विस वीक का हुआ समापन

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 21 अप्रैल। एनटीपीसी विंध्याचल में फायर सर्विस वीक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें अग्निशमन कर्मियों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अग्नि सुरक्षा जागरूकता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ किया गया।

इस दौरान विभिन्न स्कूलों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी डेमोंस्ट्रेशन, जागरूकता अभियान तथा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए,

जिनमें आग से बचाव, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और सुरक्षित निकासी के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संजीव कुमार साहा परियोजना प्रमुख एवं मनीष कुमार राय वरिष्ठ कमांडेंट, सदा राम यादव उप कमांडेंट भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यह आयोजन एनटीपीसी विंध्याचल की सुरक्षा, सतर्कता और सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

144 प्रगणकों-पर्यवेक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 अप्रैल। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण अंतर्गत जिले में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात फील्ड कार्य के लिए चयनित 144 प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को उनके पहचान पत्र आईडी कार्ड एवं नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के दौरान स्व-गणना की प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए सभी कर्मियों से इसका व्यवहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन में नगर जनगणना अधिकारी ज्योति सिंह, जोन-3 चार्ज जनगणना अधिकारी एचएम श्रीवास्तव सहित अन्य का विशेष योगदान रहा।

जिला चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं का अंबार, मरीजों की जान से खिलवाड़

पीआईसीयू समेत कई वार्डों में गंदगी, बेड शीट तक के लिए भटक रहे परिजन, दवाओं का टोटा, एंटीबायोटिक और सलाइन के सहारे चल रहा इलाज

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 अप्रैल। जिले का सबसे बड़ा स्वास्थ्य केंद्र कहे जाने वाले जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की हालत इन दिनों बद से बदतर होती जा रही है। यहां इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर सिर्फ परेशानियां ही मिल रही हैं।

अस्पताल में फैली अव्यवस्थाएं अब धीरे-धीरे उजागर होने लगी हैं, जिससे अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति पीआईसीयू पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट वार्ड की सामने आई है, जहां गंभीर रूप से बीमार बच्चों का इलाज किया जाता है। यहां भर्ती बच्चों के परिजनों ने बताया कि वार्ड में बेड पर बिछी चादरें कई दिनों तक नहीं बदली जातीं। कई बार गंदगी और संक्रमण का खतरा होने के बावजूद भी स्टाफ द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जाता। जब परिजन चादर बदलने की मांग करते हैं तो उन्हें टालमटोल कर दिया जाता है या साफ मना कर

दिया जाता है। सिर्फ पीआईसीयू ही नहीं, बल्कि अन्य वार्डों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। वार्डों में साफ-सफाई का अभाव साफ तौर पर देखा जा सकता है। जगह-जगह गंदगी, धूल और बदबू का माहौल बना हुआ है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य पर और अधिक खतरा मंडरा रहा है। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह की लापरवाही बेहद गंभीर मानी जाती है, लेकिन यहां जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। अस्पताल के कुछ स्टाफ नर्सों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में कई जरूरी दवाओं की भारी कमी बनी हुई है।

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही पर उठ रहे सवाल

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही का असर अब आम जनता के विश्वास पर भी पड़ने लगा है। कई लोग अब जिला अस्पताल की सेवाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं और मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख कर रहे हैं, जहां उन्हें भारी खर्च उठाना पड़ता है। गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए यह स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भी अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि अस्पताल प्रबंधन को मरीजों की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है।